धर्म को अंग संग करने के लिये चातुर्मास एक सुन्दर अवसर है
जैनाचार्य पूज्य श्री शिवमुनि जी महाराज

11 जून 2012 {विजय इन्द्र नगर} जीवन एक पहेली के रूप में हमें प्राप्त हुआ परन्तु हमने इसे संकल्पना का रूप दिया। माया और स्वप्न में हम फंसते चले गये, उसे ही हम सच मानने लग गये, परन्तु जो इन सब बातों में न अटकते हुए जाग गये उनका जीवन भगवत्ता तुल्य है। हमारे भीतर जागने के लिए प्रेम, सौहार्द, करूणा, मैत्री की भावना होना आवश्यक है। मिटने की कला है धर्म। अपने आपको ऐसे मिटाना, जैसे बूँद सागर में मिट जाती है। एक बीज अनेकों परिस्थितियों से मिटते हुए अपने आप पत्ते, शाखाएँ, वृक्ष, फल, फूल का रूप ले लेते हैं। उसी प्रकार एक पक्षी को जन्म धारण करने के लिए अण्डज रूप में आना पडता है। जब बीज मिट जाता है, अपना अस्तित्व खो देता है तब वह वृक्ष का रूप ले लेता है। वृक्ष का रूप ले लेने के अनन्तर वह मुसाफिरों एवं पशु पक्षियों का आश्रय बन जाता है। उपरोक्त बात श्रमणसंघीय चतुर्थ पट्टधर आचार्य सम्राट् पूज्य श्री शिवमुनि जी महाराज ने श्रद्धालुओं को उद्बोधन देते हुए कही।

बसन्त जिस भॉति अपने आने की सूचना पूर्व ही दे देता है। कोयल मधुर गीत गाती है। वृक्षों पर नव–पल्लव आता है। कलियॉ फूल खिलते हैं इसी प्रकार हम भी खिलें। हमें खिलने के लिए अपने अस्तित्व को मिटाना परम् आवश्यक है। जिस प्रकार मॉ के पेट में एक बच्चा नौ माह तक रहता है उस समय गर्भ पालन के लिए मॉ उसका कितना ध्यान रखती है, उसी प्रकार हम धर्म में रहते हुए धर्म का पालन करते हुए उनके नियम उपनियमों का भी ध्यान रखें। अपने आपको अगर कुछ प्राप्त करना होगा तो कुछ मिटाना भी आवश्यक है। धर्म को अंग संग करने के लिये चातुर्मास एक सुन्दर अवसर है। इस वर्ष पांच माह का चातुर्मास है। हम सभी इसका पूरा लाभ उठाए।

इस अवसर पर श्रमण संघीय मंत्री श्री शिरीष मुनि जी महाराज, सेवाभावी श्री सुयोग्य मुनि जी महाराज, विदुषी महासाध्वी डॉ. श्री पुनीत ज्योति जी महाराज, डॉ. श्री मुक्ता जी महाराज ने भी अपने विचार रखते हुए लुधियाना आगमन पर आचार्य श्री जी का स्वागत किया। विजय इन्द्र नगर श्री संघ ने भी आचार्य श्री जी का स्वागत अभिनन्दन किया।

आचार्य श्री जी प्रतिदिन प्रातः 8:15 से 9:30 तक मंगलमय प्रवचन फरमायेंगे। 12 जून को विजय इन्द्र नगर तथा 13 व 14 जून को आत्म नगर में प्रवचन होगें। यह जानकारी आचार्य शिवमुनि चातुर्मास समिति के चेयरमैन श्री विश्व जैन, वरिष्ट उप चेयरमैन श्री महेन्द्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष श्री राजन जैन व संगठन मंत्री श्री संजीव जैन ने दी।

श्रमण संघीय चतुर्थ
पट्टधर आचार्य सम्राट
पूज्य श्री शिवमुनि जी
महाराज
के सारगर्भित प्रवचन

''दिशा चैनल'' पर
प्रतिदिन प्रातः 8.10 से 8.
30 बजे
तक प्रसारित हो रहे हैं।

दिशा चैनल – डिश टी.वी–757,
टाटा स्काई –184 एयरटेल–689,
वीडियोकॉन–685, पर उपलब्ध है।

Visit us our website

www.jainacharya.org
www.shivacharyaji.org

Email. :
shivacharyaji@yahoo.co.in
Join shivmuniji sms to 567678